केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15			कुल प्राप्तांक शब्दों में		कुल प्राप्तांक अंकों में
16					

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्राः नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
	019340 Manisha Malviya

2 योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 2 के अंक =

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 01 का उत्तर

(अ) वर्ण विक्षेपण ।

(ब) विद्युत घंटी में ।

(स) मानक विलयन ।

(द) लैबिरटी ।

(इ) 0.03 % ।

(फ) फिटकरी ।

प्रश्न क्र. 02 का उत्तर

(अ) 3×10^8 ~~m~~/s ।

(ब) आर्हिनीयस ।

③ [ ] + [ ] = [ ]
योग पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ 3 के अंक   कुल अंक

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

(इ) कुसीफेरी 1

(ई) अस्थायी 1

(इ) CaO, कैल्सियम आक्साइड 1

(फ) 21 K. cal 1

प्रश्न क्र. 03 का उत्तर

(अ) असत्य 1

(ब) सत्य 1

(स) असत्य 1

(द) सत्य 1

(इ) सत्य 1

B S E

④

कुल अंक

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

(फ) असत्य ।

प्रश्न क्र. 04 का उत्तर

	अ		ब
(i)	विद्युत चुम्बक	-	कच्चे लोहे से
(ii)	हजारा	-	सिंचाई यंत्र
(iii)	विद्युत बल्ब	-	टंगस्टन
(iv)	डेयरी उद्योग	-	लैक्टोबैसिलस
(v)	जानवर	-	एन्थ्रेक्स

BSE

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 05 का उत्तर

(अ) विद्युत धारा का ऊष्मीय प्रभाव - जब किसी चालक (तार) में विद्युतधारा प्रवाहित की जाती है तो वह चालक गर्म हो जाता है। इसे विद्युत धारा का ऊष्मीय प्रभाव कहते हैं।

B (ब) जेल - अर्द्ध ठोस पदार्थ को जो जेल कहते हैं।

S या गाढ़े द्रव्य को जेल कहा जाता है।

E (स) बिन्दु स्त्रावण :- जब वाष्पोत्सर्जन की क्रिया कम होती है तब पत्तियों के किनारों से जो द्रव्य या जल बाहर निकलता है, उसे बिन्दु स्त्रावण या उत्स्वेदन कहते हैं, जैसे - आलू, टमाटर आदि के पौधे में यह क्रिया होती है।

(द) क्रेब्स चक्र की खोज एच. ए. क्रेब्स ने की थी

(इ) कुदाली का उपयोग खेती-बाड़ी में होता है। ~~यह मिट्टी~~ इसका उपयोग मिट्टी को खोदने में होता है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 06 का उत्तर

समांग माध्यम - एक ऐसा पारदर्शी माध्यम जिसमें से प्रकाश आसानी से आर-पार जा सकता है या निकल सकता है, उसे समांग माध्यम कहते है।

जैसे -> वायु, जल आदि।

प्रश्न क्र. 07 का उत्तर

चुम्बक के गुण -

(i) इसे स्वतंत्रतापूर्वक लटकाने पर यह सदैव उत्तर - दक्षिण दिशा मे ही ठहरता है।

(ii) इसके दो सजातीय [समान] ध्रुवों मे प्रतिकर्षण एवं विजातीय [असमान] ध्रुवों मे आकर्षण होता है।

मध्यप्रदेश

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 08 का उत्तर [अथवा]

विद्युत के सुचालक के नाम –

लोहा, चाँदी, तांबा, आदि।

विद्युत के कुचालक के नाम –

लकड़ी, प्लास्टिक, चमड़ा, रबर आदि।

BSE

प्रश्न क्र. 09 का उत्तर [अथवा]

नार्मलता – किसी विलयन मे विलेय पदार्थ की सान्द्रता [ग्राम प्रति लीटर मे] एवं उस विलयन के तुल्यांकी भार के अनुपात को "नार्मलता" कहते है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 10 का उत्तर

फिटकरी [पोटाश फिटकरी] का रासायनिक नाम -

$K_2SO_4 \cdot Al_2[SO_4]_3 \cdot 24H_2O$

B

प्रश्न क्र. 10 का उत्तर [अथवा]

S

सोडियम कार्बोनेट के दो उपयोग -

E

(1) कपड़े धोने के लिए उपयोगी है,

(2) प्रयोगशाला में अभिकर्मक के रूप में उपयोग किया जाता है।

(3) व गन्दे कपड़े, पसीनायुक्त कपड़ा आदि की धुलाई मे इसका उपयोग किया जाता है,

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 11 का उत्तर [अथवा]

एन्जाइम के विशिष्ट लक्षण -

(i) यह जीवित कोशिकाओं द्वारा उत्पन्न होते है। इसलिए इन्हें जीव - उत्प्रेरक कहा जाता है,

(ii) यह पूर्ण या आंशिक रूप से प्रोटीन के बने होते है।

(iii) यह निश्चित तापक्रम [25° - 30°] पर सक्रिय होते है एवं 60° C से ऊपर के तापमान पर यह नष्ट हो जाते है।

(iv) विशिष्ट प्रतिक्रियाओं में विशिष्ट एन्जाइम भाग लेते है,

(v) यह अतिसूक्ष्म मात्रा में भी अत्याधिक क्रियाशील होते है।

B S E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 12 का उत्तर [अथवा]

क्लोरोफिल के कार्य दो निम्न है

(i) यह सूर्य की विकिरण ऊर्जा को अवशोषित करते है।

(ii) यह पत्तियों को हरा रंग प्रदान करते है,

प्रश्न क्र. 13 का उत्तर

किरण पुंज के तीन प्रकार के होते है।

(i) अपसारी किरण पुंज

(ii) अभिसारी किरण पुंज

(iii) समान्तर किरण पुंज

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(i) अपसारी किरण पुंज - इस प्रकार के किरण पुंज मे एक बिन्दु से प्रकाश निकल कर फैलता है, आगे जाने पर प्रकाश की किरणो के बीच की दूरी बढ़ने लगती है,

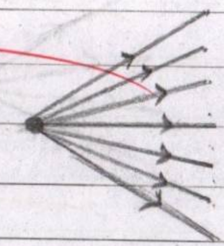

(i) अपसारी किरण पुंज

(ii) अभिसारी किरण पुंज - इस ~~प्रकाश~~ प्रकार के किरण पुंज मे प्रकाश एक मुख्य बिन्दु पर आकर मिलता है, आगे बढ़ने पर प्रकाश की किरणों के बीच की दूरी कम होने लगती है,

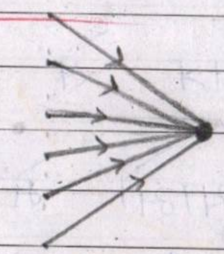

(ii) अभिसारी किरण पुंज

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

(iii) समान्तर किरण पुंज - इस प्रकार के किरण पुंज मे रेखाएं कभी नहीं मिलती है, सदैव सीधी रेखा चलती है। इनकी बीच की दूरी बराबर होती है।

(iii) समान्तर किरण पुंज

B S E

प्रश्न क्र. 14 का उत्तर [अथवा]

उत्प्रेरक की विशेषताएं -

(i) उत्प्रेरक अपनी उपस्थिति मात्र से किसी भी रासायनिक क्रिया को प्रभावित करते है।

(ii) यह किसी -किसी अभिक्रियाओं में रसायनिक अभिक्रिया की गति को बढ़ा देते है

(iii) यह किसी - किसी अभिक्रियाओं मे रासायनिक अभिक्रिया की गति को मन्द भी कर सकते है।

प्रश्न क्र.

(v) यह कभी किसी क्रिया में, उस क्रिया को होने से रोकते है, उत्प्रेरक ~~विष~~ विष कहलाते है,

(v) यह कभी किसी क्रिया मे अवरोध उत्पन्न करते है, उन्हे उत्प्रेरक अवरोधक कहते है,

(vi) एक ही उत्प्रेरक कभी किसी क्रिया की गति को बढ़ा भी सकता है और मन्द भी कर सकता है,

(vii) उत्प्रेरक किसी अन्य अभिक्रिया को प्रेरित भी करता है,

(viii) यह स्वप्रेरित भी हो सकते है,

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 25 का उत्तर

B S E

	श्वसन	प्रकाश संश्लेषण
1.	यह एक ~~अपचयी~~ Ketabolic क्रिया है जिसमें जटिल कार्बनिक भोज्य पदार्थ के ऑक्सीकरण के फलस्वरूप सरल कार्बनिक पदार्थ में अपघटन होता है, एवं ऊर्जा मुक्त होती है।	यह एक canabolic क्रिया है, जिसमें ऊर्जा ग्रहण कर कार्बनिक भोज्य पदार्थ का निर्माण होता है।
2.	इसमें ऑक्सीजन ग्रहण की जाती है।	इसमें CO_2 ग्रहण की जाती है।
3.	इसमें ऊर्जा मुक्त होती है,	इसमें ऊर्जा संचित होती है।
4.	$C_6H_{12}O_6$ (शर्करा) $+ 6O_2 \rightarrow 6CO_2 + 6H_2O + 673$ k. cal ऊर्जा	$6CO_2 + 12H_2O \rightarrow C_6H_{12}O_6$ (शर्करा) $+ 6H_2O + 6O_2$
5.	इसका अंतिम उत्पाद जल एवं CO_2 और ऊर्जा है।	इसका अंतिम उत्पाद कार्बोहाइड्रेड जल एव ऑक्सीजन है।

15 योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 15 के अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 16 का उत्तर

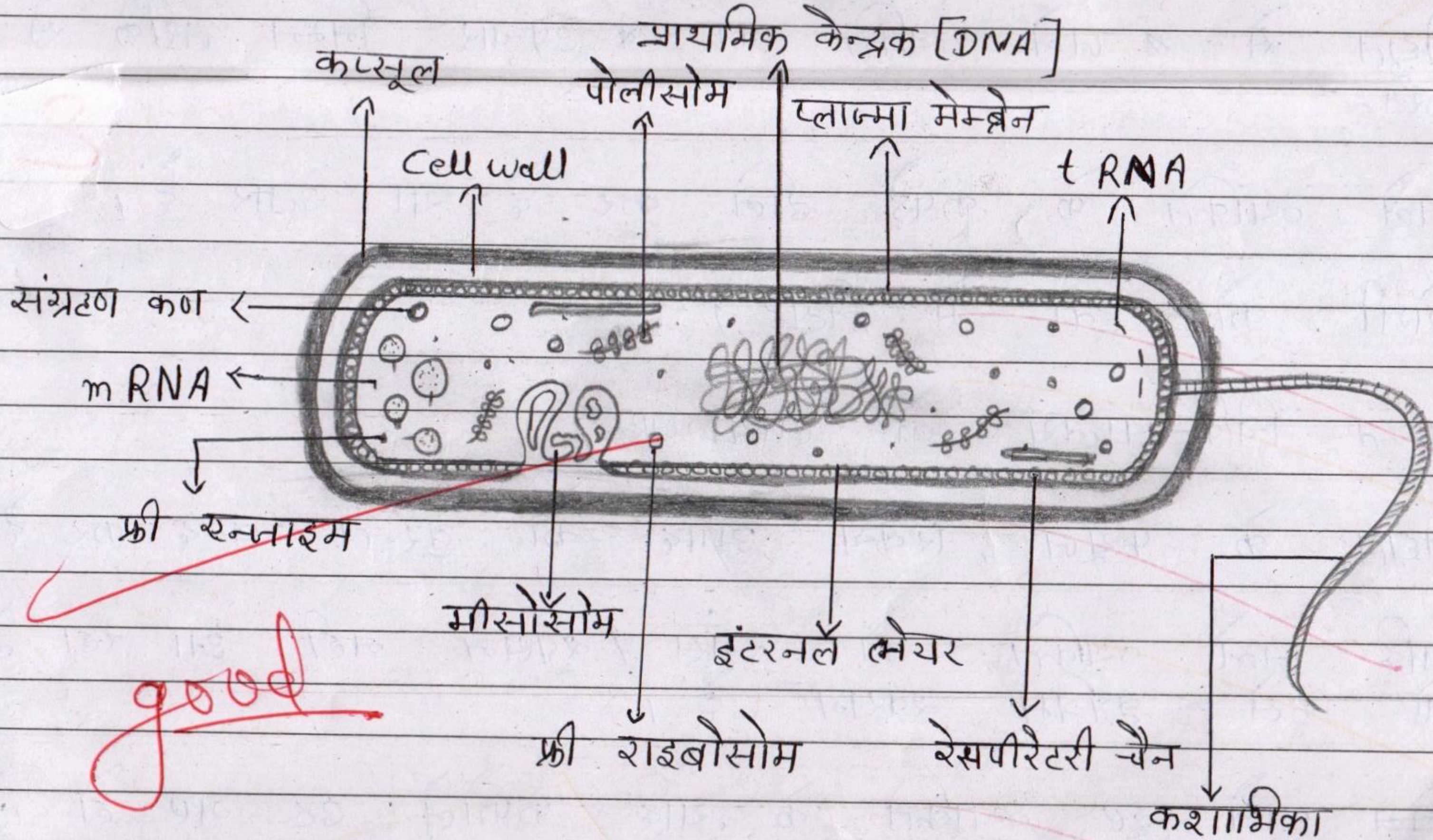

good

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 17 का उत्तर [अथवा]

विद्युत से ~~ज~~ जले व्यक्ति का ~~*~~ उपचार निम्न तरीके से करेंगे–

1) जले व्यक्ति के कपड़े ढीले कर दे या उतार दें।

2) रोगी को हवा मे लिटाए।

3) तुरन्त चिकित्सालय ले जाया जाए।

4) विद्युत के फ्यूज, स्विच आदि को तुरन्त बन्द कर दें।

5) यदि जले व्यक्ति को साँस / श्वसन नही आ रहा है तो उसे कृत्रिम श्वसन दें।

6) ~~से~~ जले हुए व्यक्ति के यदि फफोले उठ गए हो तो उसे न फोड़े। ~~कर~~

7) रोगी को ठण्डे पानी की पट्टी रख कर आराम दिलाए।

इस प्रकार के उपचार से जले हुए व्यक्ति को राहत

BSE

3

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

मिल सकती है, और हॉस्पिटल जरूर लेकर जाना ~~चाहि~~ चाहिए।

प्रश्न क्र. 18 का उत्तर [अथवा]

कोलॉइडी विलयनो के गुण -

धनन ।
1) स्कन्दन ।
2) निलम्बन ।
3) परिस्थितिक तंत्र ।
4) टिण्डल प्रभाव ।
5) ब्राउनियन गति ।
6) जलशोधन
7)

1) ब्राउनियन गति - परिक्षिप्त पदार्थ माध्यम में कोलॉइडी कण अनियमित गति करते रहते है, जिसे ब्राउनियन गति कहते है।

2) टिण्डल प्रभाव - जब किसी कोलॉइडी विलयन मे से प्रकाश गुजरता है तब प्रकाश का मार्ग प्रकाशित होता जाता है, इसे टिण्डल प्रभाव कहते है।

B S E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

3) जल शोधन - कोलॉइड्स जल को शुद्ध करते है, जलशोधन कर जल को पीने योग्य बनाते है।

4) छनन - कोलॉइड्स के द्वारा छनन की क्रिया भी होती है।

प्रश्न क्र. 19 का उत्तर

चार औषधि पौधे -

1) नीम - नीम भारतवर्ष मे सभी स्थानों पर पाया जाने वाला पौधा है, यह लगभग 20-25 ~~फील~~ फीट ऊँचा वृक्ष है। इसका वानस्पतिक नाम एजेडिरेक्टा इण्डिका है। यह मेलिएसी कुल का पौधा है। यह पूरा वृक्ष हमारे लिए लाभकारी है। इसकी पत्तियों को ~~ब~~ उबाल कर नहाने से खुजली, दाग आदि रोग खत्म होते है। इसकी पत्तियाँ पीस कर पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से दाग - धब्बे, फुंसी - फोड़े खत्म होते। इसका जूस पीने से खून साफ होता है। यह हमे गोंद देते है, इसकी को जलाने से मच्छर भाग जाते है।

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRA

प्रश्न क्र.

2) आँवला – यह भारतवर्ष मे अधिकांश भागों मे पाया जाता है, यह 10-15 फीट ऊँचा वृक्ष है। इसका वानस्पतिक नाम अम्ली अम्बलीका ऑफिसिनेलिस है, यह यूफोरबियसी कुल का पौधा है। गर्मियों मे इसका जूस पीने से ठण्डक मिलती है। इसका शरबत पीने से दस्त, पेचिश मे आराम मिलता है,

3) तुलसी – यह भारतवर्ष मे अधिकांश भागों मे पाया जाने वाला पौधा है। हिन्दू धर्म मे इसकी पूजा की जाती है, इसका वानस्पतिक नाम ओसीमम सैंकटम है, यह लेबियटी कुल का पौधा है, इसकी चाय या काढ़ा पीने से सर्दी-जुकाम मे काफी ~~आराम~~ आराम मिलता है,

4) अदरक – यह हमारे जीवन मे उपयोगी है, इसका वानस्पतिक नाम जीन्जीवर आफिसिनेल है, यह जिन्जीबरेसी कुल का पौधा है। अदरक मसालों मे भी उपयोगी है। और इसका उपयोग चाय में भी होता है। अदरक का रस एवं शहद पीने से खांसी मे काफी आराम मिलता है। अदरक वाली चाय पीने से सर्दी-जुकाम मे भी आराम मिलता है।

B S E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. २० का उत्तर [अथवा]

वाष्पोत्सर्जन पर प्रभाव डालने वाले बाह्य कारक·

1) प्रकाश।

2) वायु।

3) आर्द्रता।

4) स्फीति दाब।

1) प्रकाश - सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में वाष्पोत्सर्जन अधिक होता है। अथवा रात्रि के समय वाष्पोत्सर्जन की दर कम हो जाती है।

2) वायु - जब हवा / वायु तेजी से चलती है तब पत्तियाँ हिल जाती है और ~~वाष्प~~ पत्तियों पर जमा आर्द्रता हट जाती है, वाष्पोत्सर्जन अधिक होता है।

BSE

(21) 68 + — = 68

पृष्ठ 21 के अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

3) आर्द्रता - पत्तियों पर जमी आर्द्रता के कारण वाष्पोत्सर्जन कम होता है।

4) स्फीति दाब - जब पत्तियों मे स्फीति दाब कम होगा तब वाष्पोत्सर्जन कम होगा। यदि स्फीति दाब ज्यादा होगा तब वाष्पोत्सर्जन अधिक होगा,

BSE